सोमवार
10 अप्रैल 2023

पृष्ठ 4

गर्मी में रोजाना की डाइट में केले को शामिल करें

पृष्ठ 5

28 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 71
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अत्याचार और अनाचार को सिर झुकाकर वे ही सहन करते हैं जिनमें नैतिकता और चरित्र का अभाव होता है।

– कमलापति त्रिपाठी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रिजार्ट में चल रहा था अनैतिक देह व्यापार

❑पुलिस ने 15 युवतियों को बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने संजीवनी रिजॉर्ट में छापा मारकर वहां से 15 युवतियों को बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से आपत्तिजनक वस्तुएं व 573 ग्राम चरस बरामद कर ली गयी है। जबकि रिजॉर्ट मालिक मौके से फरार हो गये। पुलिस ने पीडिताओं को आजाद कर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि गोपनीय सूत्रो के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुयी कि सहसपुर क्षेत्रांतर्गत संजीवनी रिजॉर्ट होरोवाला में आने वाले ग्राहको को अवैध रुप मादक पर्दार्थो का सेवन कराये जाने के साथ-साथ बाहरी प्रदेशो से युवतियो

●रिजार्ट के मालिक मौके से फरार

को लाकर अनैतिक देह व्यापार कराया जा रहा है। उक्त सूचना की गम्भीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कमलेश उपाध्याय के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी डालनवाला/ऑपरेशन के नेतृत्व में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स तथा थाना सहसपुर की संयुक्त टीम का गठन किया गया। संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये गत रात्रि संजीवनी रिजॉर्ट होरोवाला में दबिश दी गई। दबिश के दौरान पुलिस टीम द्वारा रिजॉर्ट के एक कमरे से हेमंत पुत्र सज्जन सिंह निवासी आजादनगर हिसार हरियाणा को 573 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। रिजार्ट के अन्य कमरों की तलाशी लेने पर अलग-अलग कमरो से कुल 15 युवतियां आपत्तिजनक वस्तुओं के साथ मिली। जिनसे पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि संजय नाम का व्यक्ति हमारे ग्रुप को यहाँ डांस करने के लिए लेकर आता है तथा यहाँ दबाव बनाकर हमसे गलत काम भी कराता है। पुलिस द्वारा मौके से होटल के रिसेप्शनिस्ट दीपक पुत्र धरमपाल सिंह निवासी सोरना डोबरी थाना सहसपुर व युवतियों को परिवहन कर लाने वाले ड्राइवर राहुल पुत्र भुल्लन निवासी गांव लाडलू मंडी जिला मोहाली चंडीगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर होटल संचालक अमित गर्ग तथा उक्त युवतियों को अनैतिक देह व्यापार

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

कोरोना से निपटने की तैयारियों को परखा

विशेष संवाददाता

देहरादून। देश की राजधानी दिल्ली और केरल तथा महाराष्ट्र और गुजरात जैसे कई राज्यों में लगातार बढ़ते कोरोना केसों के कारण आज और कल देशभर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मॉक ड्रिल के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं को परखा जा रहा है। उत्तराखंड की राजधानी दून में आज स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने दून अस्पताल और कोरोनेशन अस्पताल का दौरा कर खुद कोरोना से निपटने की तैयारियों को परखा।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में अभी कोरोना की स्थिति सामान्य है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आने वाले समय में कोरोना मरीजों की संख्या

●राज्य में अभी हालात सामान्यः धन सिंह
●चार धाम यात्रा के मद्देनजर जांच बढ़ाएंगे

में वृद्धि होती है तो उस स्थिति से निपटने के लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि कोरोनेशन में कोरोना मरीजों के लिए 100 बेड की सुविधा उपलब्ध है हमारे पास ऑक्सीजन, वैल्टीनेटर बेड भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं तथा दवाओं की कोई कमी नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में अभी 30-35 के आसपास नए मरीज

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री ने किया हंगामा, हुई आपातकालीन लैंडिंग

नई दिल्ली। लंदन से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में आज एक यात्री ने क्रू मेंबर के साथ जमकर मारपीट की। इस घटना के चलते विमान की अचानक इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। सोमवार सुबह 6. 55 बजे की फ्लाइट दिल्ली से लंदन के लिए रवाना हुई। कुछ देर बाद ही एक यात्री का क्रू सदस्य से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस विवाद ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया। यात्री लगातार विमान में हंगामा करता रहा। मामला बढ़ने के बाद विमान चालक ने मजबूरी में विमान को दोबारा दिल्ली हवाई अड्डे की तरफ मोड़ दिया बाद में इसे दिल्ली एयरपोर्ट पर ही आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। यात्री के बर्ताव को लेकर दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद पुलिस ने यात्री को हवाई अड्डे पर रोक लिया। एयर इंडिया की ओर से यात्री को लेकर एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। फिलहाल शख्स पुलिस की हिरासत में है मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, विमान के दो क्रू मेंबरों को मारपीट के चलते शारीरिक चोट भी आई है। फिलहाल कंपनी की ओर से चोटिल सदस्यों का इलाज करवाया जा रहा है। विमान कंपनी ने बताया कि, लंदन के लिए नई फ्लाइट यात्रियों को लेकर रवाना होगी। इसकी जानकारी उन्हें दे दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने 'अग्निपथ' योजना के खिलाफ दायर अपीलों को किया खाारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सेना भर्ती के लिए केंद्र सरकार की 'अग्निपथ' योजना पर मुहर लगाते हुए कहा कि अग्निपथ योजना मनमानी नहीं है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अग्निपथ योजना के खिलाफ दायक की गई दो अपीलों को खारिज कर दिया है।

अदालत ने याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह योजना मनमानी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक हित अन्य विचारों से अधिक महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि अग्निपथ योजना शुरू होने से पहले रक्षा भर्ती प्रक्रिया में चयनित हो चुके उम्मीदवारों को नियुक्ति का अधिकार नहीं है।

फरवरी में दिल्ली उच्च न्यायालय ने

❑अग्निपथ योजना मनमानी नहीं है

अग्निपथ योजना की वैधता को बरकरार रखा, जिसके खिलाफ शीर्ष अदालत में दो याचिकाएं दायर की गई थीं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि अग्निपथ योजना राष्ट्रीय हित में तैयार की गई थी और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सशस्त्र बल बेहतर तरीके से तैयार हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गई थीं।

गोपाल कृष्ण और वकील एमएल शर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हम हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। हाई कोर्ट ने इसके सभी पहलुओं पर विचार किया था। इसके साथ शीर्ष अदालत ने याचिका खारिज कर दी। हालांकि, पीठ अग्निपथ योजना शुरू करने से पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में भर्ती से संबंधित एक तीसरी ताजा याचिका को 17 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध कर लिया। पीठ ने केंद्र से भारतीय वायुसेना में भर्ती से संबंधित तीसरी याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

यात्रा सर पर, सड़कें बदहाल

चार धाम यात्रा को शुरू होने में अब महज 10-12 दिन का समय शेष बचा है लेकिन राज्य की सड़कों की स्थिति अत्यंत ही दयनीय है। भले ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यह कह रहे हो कि उन्होंने बीते वर्ष चार धाम यात्रा के समापन के बाद ही तैयारियां शुरू कर दी थी लेकिन धरातल पर यह तैयारियां कितनी दुरस्त दिख रही हैं इसकी गवाही राज्य की खस्ताहाल सड़कें दे रही है। बीते कल उत्तराखंड दौरे पर आए केन्द्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह का कहना है कि यात्रा शुरू होने से पहले सड़कों को दुरुस्त कर लिया जाएगा जबकि मुख्यमंत्री धामी सभी यात्रा तैयारियों को पूरा कर लिए जाने की बात कह रहे हैं। समझ से परे है कौन सच बोल रहा है? लेकिन कल ही प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्र सरकार को ढाई हजार करोड़ रुपए का पैकेज देने के लिए प्रस्ताव भी भेजा गया है प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग आरके सुधांशु का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही पैकेज की पहली किस्त मिल जाएगी और काम शुरू हो जाएगा। इस पैकेज से राज्य की 3 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों का मरम्मत कार्य होगा। यह भी समझ से परे है कि केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह के पास ऐसी कौन सी जादू की छड़ी है जिसे घुमाते ही राज्य की 3 हजार किलोमीटर सड़कें सिर्फ 10 दिन में दुरुस्त हो जाएगी। जबकि अभी यह भी तय नहीं है कि पैकेज कब मिल पाएगा और कितना मिलेगा? ऐसा लगता है कि यह पूरी कवायद चार धाम यात्रा के लिए नहीं की जा रही है बल्कि इसके पीछे 2024 में होने वाला आम चुनाव है। राज्य में इन खस्ताहाल सड़कों के कारण आए दिन कोई न कोई हादसा होता है जिसमें चार-छह लोगों की जाने जा रही है बीते कल टिहरी में एक वाहन खाई में गिरा जिसमें 3 बच्चों की जान चली गई। इससे एक दिन पहले विकास नगर क्षेत्र में एक वाहन खाई में गिर गया जिसमें 3 लोग मर गए थे। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। अभी दो दिन पूर्व बदरीनाथ हाईवे पर हनुमान चट्टी के पास पहाड़ का एक हिस्सा भरभरा कर सड़क पर गिर गया था जिससे राजमार्ग बाधित हो गया था जोशीमठ आपदा के बाद भले ही सरकार और मुख्यमंत्री धामी हालात सामान्य होने की बात कर रहे हो या इस क्षेत्र में भू धसाव थमने की खबरें आ रही हो लेकिन केंद्रीय राज्य मंत्री का कहना है कि बद्रीनाथ जाने के लिए जोशीमठ बाईपास बनाए जाने की जरूरत है। अब अगर बाईपास बनाया जाना है या अन्य कोई वैकल्पिक मार्ग बनाने की जरूरत है तो वह भी रातों-रात संभव हो नहीं सकता है। गंगोत्री यमुनोत्री और बदरीनाथ तथा केदारनाथ धाम में बेमौसम बारिश व बर्फबारी से आई दिक्कतों के कारण शासन प्रशासन अभी तक रास्तों से बर्फ हटाने और धामों तक पहुंचने का रास्ता साफ करने में ही जुटा हुआ है। ऐसे में सड़कों की मरम्मत का काम व क्रैश बैरियर बनाने तथा सुरक्षा पुस्ते बनाने का काम पीछे छूट गया है। 10 दिन बाद शुरू होने वाली यात्रा में इन सड़कों की बदहाली यात्रियों की जान पर भारी पड़ सकती है। खासतौर से गंगोत्री और बद्रीनाथ जाने वाली सड़कों की स्थिति ज्यादा खराब है अब देखना है कि 10 दिन में इन सड़कों को कितना सुधारा जा सकेगा।

राहुल सांकृत्यायन को हिन्दी और हिमालय से था बड़ा प्रेम

'सैर कर दुनिया की गाफिल जिन्दगानी फिर कहाँ,
जिन्दगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहाँ....'

-राहुल सांकृत्यायन

बचपन में तीसरी क्लास में उर्दू पढ़ने के दौरान नवाजिन्दा-बाजिन्दा का शेर पढ़ते पढ़ते राहुल सांकृत्यायन ने तय कर लिया, उनकी जिंदगी तो सैर के नाम ही समर्पित रहेगी। सही मायनों में उन्होंने घुमक्कड़ी प्रवृत्ति के जरिए हिंदी साहित्य में यात्राओं के जरिए संस्कृतियों से रू-ब-रू होने और ज्ञान की खिड़कियां खोलने की नई विधा ही विकसित की, जिसका उनके पहले हिंदी साहित्य में कतई अभाव था। वो कई भाषाओं से जानकार थे. जिस देश में यात्रा पर जाते, वहां की भाषा भी साथ में सीखकर लौटते। दरअसल सांकृत्यायन में घुमक्कड़ी का बीज डालने वाले उनके नाना थे। उनका बचपन काफी हद तक ननिहाल में बीता था। नाना फौज में नौकरी कर चुके थे। पूरे देश में घूमे थे. वह नाती को फौजी जीवन की कहानियां सुनानते थे। रोचक तरीकों से देश की उन सारी जगहों के बारे में बताते थे, जहां वह घूम चुके थे।

9 अप्रैल 1893 को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के पंदहा गॉव में पैदा हुए, राहुल सांकृत्यायन का असल नाम 'केदारनाथ पाण्डे' था। 1930 में लंका में बौद्ध होने पर उनका नाम 'राहुल' हुआ। राहुल नाम के आगे सांस्कृत्यायन इसलिए लगा कि पितृकुल सांकृत्य गोत्रीय था। वह लंबे समय तक हिमालय पर रहे। मसूरी में उनका एक घर था। बनारस में रहे। लाहौर में मिशनरी काम किया। दक्षिण भारत में कुर्ग में 4 महीने रहे। दुनिया के तमाम देशों की ओर गए और जब लौटे तो एक नई किताब की रचना की। कई बार नेपाल, श्रीलंका, लद्दाख और तिब्बत की यात्राएं कीं, वहां लंबा

प्रवास किया।

साधु वेषधारी संन्यासी से लेकर वेदान्ती, आर्यसमाजी व किसान नेता एवं बौद्ध भिक्षु से लेकर साम्यवादी चिन्तक तक का लम्बा सफर तय किया। सन् १९३० में श्रीलंका जाकर वे बौद्ध धर्म में दीक्षित हो गये एवं तभी से वे 'रामोदर साधु' से 'राहुल' हो गये। उनकी अद्भुत तर्कशक्ति और अनुपम ज्ञान भण्डार को देखकर काशी के पंडितों ने उन्हें महापंडित की उपाधि दी एवं इस प्रकार वे केदारनाथ पाण्डे से महापंडित राहुल सांकृत्यायन हो गये। सन् १९३७ में रूस के लेनिनग्राद में एक स्कूल में उन्होंने संस्कृत अध्यापक की नौकरी कर ली और उसी दौरान ऐलेना नामक महिला से दूसरी शादी कर ली, जिससे उन्हें 'इगोर राहुलोविच' नामक पुत्र-रत्न प्राप्त हुआ।

राहुल जी को हिन्दी और हिमालय से बड़ा प्रेम था। वे १९५० में नैनीताल में अपना आवास बना कर रहने लगे। यहाँ पर उनका विवाह 'कमला सांकृत्यायन' से हुआ। इसके कुछ बर्षो बाद वे दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में जाकर रहने लगे, लेकिन बाद में उन्हें मधुमेह से पीड़ित होने के कारण रूस में इलाज कराने के लिए भेजा गया। १९६३ में सोवियत रूस में लगभग सात महीनो के इलाज के बाद भी उनका स्वास्थ्य ठीक नही हुआ। १४ अप्रैल १९६३ को उनका दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में देहांत हो गया।

राहुल सांकृत्यायन ने इंग्लैंड और यूरोप की यात्रा की. चीन, जापान, कोरिया, मंचूरिया, सोवियत भूमि, ईरान में घूमे। आजादी की लड़ाई में भी कूदे। किसान मजदूरों के आंदोलन में उनके साथ रहे 1938-44 तक भाग लिया, किसान संघर्ष में 1936 में भाग लिया। सत्याग्रह भूख हड़ताल किया। राहुल सांकृत्यायन जी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य बने। जेल में 29 महीने (1940-42) रहे। इसके बाद सोवियत रूस चले गए। वहां लौटे तो कुछ दिनों तक भारत में रहे तो फिर चीन और श्रीलंका के लिए निकल पड़े।

घुमक्कड़ी के बारे में वह कहते थे, मेरी समझ में दुनिया की सबसे बेहतर चीज है घुमक्कड़ी। घुमक्कड़ से बढ़कर व्यक्ति और समाज का कोई हितकारी नहीं हो सकता। दुनिया दुख में हो चाहे सुख में, सभी समय यदि सहारा पाती है तो घुमक्कड़ों की ही ओर से। प्राकृतिक आदिम मनुष्य परम घुमक्कड़ था। आधुनिक काल में घुमक्कड़ों के काम की बात कहने की आवश्यकता है।

वह हिंदी, संस्कृत के साथ तिब्बती, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश, चीनी, जापानी, सिंहली भाषाओं के साथ अंग्रेजी के बहुत अच्छे जानकार थे। वह मानते थे कि घुमक्कड़ी मानव-मन की मुक्ति का साधन होने के साथ-साथ खुद के जीवन क्षितिज को विस्तार देती है।

वे सदैव घूमते ही रहे और '129 किताबें' लिख डालीं। जिस तरह उनके पांव कभी नहीं रुके, उसी तरह उनके हाथ की लेखनी भी कभी नहीं रुकी। उनकी लेखनी से विभिन्न विषयों पर प्रायः 150 से अधिक ग्रन्थ लिखे गए. प्रकाशित ग्रन्थों की संख्या करीब 129 है। दुनिया जरूर बदलती जा रही है लेकिन उनकी किताबें अब भी आपको तमाम देशों को भूगोल के साथ संस्कृतियों से जोड़ते हुए घूमा लाएंगी।

साभार: सोशल मीडिया

सरस्वती पूजन व हवन से किया नए सत्र का शुभारंभ

नगर संवाददाता

देहरादून। आवास विकास कॉलोनी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में मां सरस्वती पूजन व हवन के साथ नए सत्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य उमाकांत पंत व उपप्रधानाचार्य सतीश चौहान ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसार पर प्रधानाचार्य उमाकांत ने बताया कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान विश्व का सबसे बड़ा शिक्षण संस्थान है, जिसका एकमात्र लक्ष्य छात्रों का बहुमुखी विकास करना है साथ ही उन्होंने इस मौके पर सभी नवीन भाई-बहनों का तिलक लगाकर स्वागत किया। प्रधानाचार्य उमाकांत पंत ने समस्त विद्यालय परिवार के साथ मिलकर हवन में इस नवीन सत्र की मंगल कामना हेतु आहुति दी। इस अवसर पर मनोज पंत, नंदकिशोर भट्ट, राजकुमार यादव सहित सभी अध्यापक उपस्थित रहे।

'हंसाविव पतथो अध्वगाविव सोमं सुतं महिषेवाव गच्छथः।'
'सजोषसा उषसा सूर्येण च त्रिर्वर्तिर्यातमश्विना॥

(ऋग्वेद ८-३५-८)

जिस प्रकार प्यासे यात्री या प्यासे पशु पक्षी या दो हंसों का जोड़ा पानी की चाह में एक जल से भरे तालाब की ओर दौड़ते हैं, हे परमेश्वर ! आप उसी उत्सुकता से हमारे श्रद्धा कि सोम को स्वीकार करें।

Like swans or thirsty travellers or thirsty animals running towards a pond. O God ! With the same eagerness, accept the soma of our reverence. (Rig Ved 8-35-8)

रुद्राक्ष पौध रोपण मुहिम के तहत रोपे गए 50 रुद्राक्ष के पौधे

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी। रुद्राक्ष पौध रोपण मुहिम के तहत रविवार को गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में मांगली सेरा में पर्यावरण वाटिका में 50 रुद्राक्ष के पौधे में रोपे गए।

इधर उत्तरकाशी में माँ गंगा के तट पर जोशियाड़ा में भी 300 रुद्राक्ष के पौधों के साथ लहलहाने लगी है रुद्राक्ष वाटिका।

उत्तरकाशी में इस पुनीत कार्य को गँगा विचार मंच के प्रांत संयोजक के नेतृत्व में उत्तरकाशी में माँ गंगा के तट पर विभिन्न स्थानों पर वर्ष 2022 में 8000 रुद्राक्ष की पौध का सफल रोपण किया गया।

गँगा स्वच्छता व पर्यावरण से जुड़े गंगा विचार मंच के प्रयासों से गँगा तट पर जोशियाड़ा व हीना में जल विधुत निगम के सहयोग से रुद्राक्ष वाटिकाओं का निर्माण किया गया। वाटिकाओं में रुद्राक्ष के 400रुद्राक्ष पौध का सफल रोपण हुआ था जो आज सफलता के साथ लहलहा रहे है।

आपको बताते चलें कि गंगा विचार मंच ने रुद्राक्ष की पौध को उन्ही संस्थाओं व विभागों के परिसर में लगाया है जिन्होंने इनके संरक्षण व संवर्धन की जिम्मेदारी ली थी। इस कार्य मे नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी ने 400 रुद्राक्ष के पौध, जल विद्युत निगम जोशियाड़ा वा मनेरी ने 1000 पौध, सीमा सड़क संगठन ठत्व ने 200 रुद्राक्ष पौध, आई टी बी पी महिडण्डा ने 600 रुद्राक्ष पौध, आई टी बी पी मातलि ने 100 रुद्राक्ष पौध , पुलिस अधीक्षक ने 150 रुद्राक्ष पौध का अपने अपने परिसरों में सफल रोपण किया है।

इधर रुद्राक्ष के रोपण कार्य को आगे बढ़ाते हुए गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड ने रविवार को गंगा विचार मंच के गजेंद्र सिंह बिष्ट, रामेंद्र सिंह, सोमेंद्र सिंह, अजय बिष्ट, रोहित , संजय, सूरज आदि गंगा प्रहरियों ने मांगली सेरा में 50 रुद्राक्ष की पौबका रोपण किया।

आपको बताते चलें की उत्तरकाशी में मां गंगा जी के तटों पर रुद्राक्ष पौध रोपण के इस पुनीत कार्य के में गंगा विचार मंच का सहयोग जल विधुत निगम के अधिशासी अभियंता अमन बिष्ट, अधिशासी अभियंता महावीर सिंह नाथ, एन आई एम के प्रिंसिपल रहे कर्नल अमित बिष्ट, जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला, पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी, बीआरओ के कमांडर राजेश राय, आईटीबीपी के कमांडेंट सुनील कुमार द्वारा किया गया।

गौरतलब है कि गंगा विचार मंच को रुद्राक्ष की पौध परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद मुनि जी ने उपलब्ध कराए। परमार्थ निकेतन स्वामी चिदानंद मुनि की तरफ से गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट के साथ साथ इन सब अधिकारियों को गँगा गौरव से भी सम्मानित किया।

विश्वविद्यालय की उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे छात्र:नेगी

संवाददाता

देहरादून। जनसंघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश के कॉलेजों/ महाविद्यालयों की संकाय (फैकल्टी) संबद्धता, एफीलिएशन आगे बढ़ाने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन उदासीन साबित हो रहा है तथा इस निकम्मेपन की वजह से हजारों छात्रों का भविष्य अंधकार में है।

यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश के कॉलेजों/ महाविद्यालयों की संकाय (फैकल्टी) संबद्धता, एफीलिएशन आगे बढ़ाने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन उदासीन साबित हो रहा है तथा इस उदासीनता की वजह से हजारों छात्रों का भविष्य, उनको मिलने वाली छात्रवृत्ति एवं डिग्री प्रभावित हो रही है। नेगी ने कहा कि राजभवन एवं शासन स्तर से शासन हो रही ढिलाई के चलते विश्वविद्यालय प्रशासन नकारा साबित हो रहा हैद्य कई कॉलेजों ने संबद्धता संबंधी सारी प्रक्रिया पूरी कर रखी हैं, लेकिन आज तक कॉलेजों का पैनल नहीं हो पाया और जहां पैनल हुआ है वहां कोई प्रगति दिखाई नहीं दे रही है। नेगी ने कहा कि कॉलेजों की संबद्धता न होने के चलते छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है तथा उनको अपने भविष्य की चिंता सता रही है। कई छात्र अन्य क्षेत्रों में अध्ययन करना चाहते हैं, लेकिन डिग्री न मिलने के कारण लाचार हैं और आरक्षित वर्ग के छात्र छात्रवृत्ति न मिलने के कारण परेशान हैं। मोर्चा शीघ्र ही इस मामले को लेकर आंदोलन करेगा। पत्रकार वार्ता में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, दिलबाग सिंह व विजय राम शर्मा मौजूद थे।

घर से मोबाइल चोरी

देहरादून (सं)। घर के अन्दर से मोबाइल चोरी होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्खीबाग निवासी आकाश सक्सैना ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर पर सो रहा था इसी दौरान कोई उनके घर में घुस आया और उसको मोबाइल चोरी करके ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने शांतिनगर के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 38 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम हरकेश सिंह पुत्र रामबहादुर सिंह निवासी गोविन्द नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मानवाधिकार संगठन ने बच्चों को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन के पदाधिकारियों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को किया सम्मानित।

यहां मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन द्वारा श्री देव सुमन नगर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं को लेखन सामग्री वितरित की गई इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी संचित जैन रहे। इस अवसर पर संचित जैन ने सभी बच्चों को आशीर्वाद प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना की। और कहां कि वह संगठन द्वारा किए गए सभी कार्यों की सराहना करता हैं जो ऐसे कार्य कर रही है जो वास्तव में सराहनीय हैं। इस अवसर पर संगठन के चेयरमैन सचिन जैन ने कहा कि वह हमेशा बच्चों के मानसिक शारीरिक बौद्धिक विकास के लिए कार्य करते रहते हैं इसके अंतर्गत समय-समय पर छात्र छात्राओं को लेखन सामग्री ड्रेस जूते जुराब ट्रैक सूट खेल सामग्री उपलब्ध करते हैं बच्चों का उत्साहवर्धन समय-समय पर करते रहते हैं जिससे उनका संपूर्ण विकास हो। प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री के आह्वान पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर और साक्षरता अभियान पर लगभग 9 साल से सक्रिय रूप से निरंतर कार्य किए जा रहे हैं जिससे जरूरतमंद लोगों को सहायता मिलने से उनका भविष्य उज्जवल हुआ है। इस अवसर पर चौथी कक्षा में समीर रिचा तुलसी प्रथम द्वितीय तृतीय आए कक्षा तृतीय में सोनू आशीष युवराज प्रथम द्वितीय तृतीय कक्षा दो खुशी श्रद्धा महिमा कक्षा एक परिधि हिमानी प्रथम त्रिदेव द्वितीय सोनम तृतीय आए छात्र छात्राओं को गोल्ड और सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हरिओम ओमी, एसपी सिंह, अब्दुल वाजिद, माधवी शर्मा, प्रधानाध्यापिका एवं अन्य शिक्षिकाएं भोजन माता उपस्थित रहे।

'क्लीन द हिमालया' अभियान के तहत 114 परिवारों ने लिया हिमालय क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प

मुनस्यारी। क्लीन द हिमालया अभियान के तहत ग्राम पंचायत ढिमढिमिया के ढीलम तथा फल्याटी तोक में 114 परिवारों ने हिमालय क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित कूड़ा प्रबंधन एवं निस्तारण विषय पर आधारित प्रशिक्षण में ग्रामीणों को ठोस अपशिष्ट के दुष्परिणामों के संदर्भ में बताया।

प्राथमिक विद्यालय ढीलम तथा फल्याटी में आयोजित प्रशिक्षण का उद्घाटन जिपंस जगत मर्तोलिया तथा क्षेत्र पंचायत सदस्य कविता कोरंगा ने किया।

ग्राम पंचायत ढिमढिमिया के 114 परिवारों को जिला पंचायत पिथौरागढ़ द्वारा पोषित कूड़ा दान तथा जूट बैगो का नि:शुल्क वितरण किया गया। प्रशिक्षण में सामाजिक संस्था सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया पिथौरागढ़ द्वारा हिमालय क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

प्रशिक्षण में पालीथीन का कम से कम उपयोग किए जाने का आव्हान किया गया। कहा कि सूखे कूड़े को कभी भी इधर उधर फैलाना नहीं चाहिए। इससे पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान हो रहा है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि हिमालय क्षेत्र के लोगों में हिमालय क्षेत्र के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए इस अभियान को चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र पूरी दुनिया को पानी की आपूर्ति नदियों से करती है। अगर हिमालय कूड़ा घर बन गया तो फिर इस दुनियां का क्या होगा।

क्षेत्र पंचायत सदस्य कविता कोरंगा ने कहा कि हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण के प्रति समय समय पर इस तरह के अभियान संचालित किया जाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने जिला पंचायत पिथौरागढ़ का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया पिथौरागढ़ के यशवंत सिंह बृजवाल, उप प्रधान गोपाल सिंह कोरंगा, वार्ड सदस्य जानकी देवी, कवीन्द्र सिंह मेहरा, सुरेन्द्र सिंह पाना,पूर्व प्रधान मंगल सिंह दोसाद, आंगनबाड़ी कार्यकत्री सरस्वती बसेड़ा मौजूद रहे।

रोगियों को नि:शुल्क दवा का वितरण किया

मुनस्यारी। जिपंस जगत मर्तोलिया की पहल पर ग्राम पंचायत ढिमढिमिया के ढीलम तथा फल्याटी तोक में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर में आठ किलोमीटर की पैदलयात्रा के बाद पहुंचे चिकित्सकों ने 76 रोगियों का उपचार किया। रोगियों को नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया।

राजकीय चिकित्सालय उच्छैती के चिकित्साधिकारी डां गर्वित कुमार चौहान ने रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में फार्मासिस्ट भूपेन्द्र सिंह रिलकोटिया सीएचओ पूजा फिरमाल, एनएनएम गीता,आशा फैसेलेटर तनुजा धामी,आशा कार्यकर्ती पार्वती दोसाद ने शिविर में सक्रिय भूमिका निभाई।

लंबे समय तक नहीं होंगे खराब लेदर बैग

हम खुद को स्टाइलिश-क्लासी दिखाने के लिए महंगी से महंगी चीजें खरीदने से भी नहीं कतराते। वहीं फैशन के इस दौर में आजकल लेदर बैग्स हर किसी की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। सालों-साल चलने वाले बैग्स की तलाश कर रही महिलाएं अक्सर लेदर बैग्स का ही चुनाव करती हैं। बेशक ये थोड़े महंगे होते हैं, लेकिन इनकी क्वालिटी की भी गारंटी होती है। लेकिन ये देखने में जितने अच्छे लगते हैं इनकी देखभाल करना उतना ही मुश्किल भरा होता है। अगर आप इनकी सही तरीके से देखरेख करें तो न ही इनका कलर डाउन होता है और न ही इनकी शेप बिगड़ती है। अगर आप भी चाहतीं है कि आपका महंगा लैदर बैग सालों-साल चलें तो इनका खुश यूं ख्याल रखिए।

आपने अक्सर अपनी मम्मी या बड़ी बहन को देखा होगा कि वो अपना कभी-कभार काम में आने वाले बैग को इस्तेमाल करने के बाद एक प्लास्टिक बैग में लपेट कर रख देती हैं। लेकिन आपको बता दें कि प्लास्टिक आपके लेदर बैग को सांस नहीं लेने देता, जिससे वो रूखा और जगह-जगह से ख़राब हो जाता है। इतना ही नहीं, गर्मियों के मौसम में ऐसा करने से उसमें दरारें भी पड़ जाती हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है आप इसे किसी ब्रीदेबल फैब्रिक में रखें। रेगुलर कॉटन या ऐसा ही कपड़े का बैग। सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बैग को रखते वक्त इसके अंदर कुछ भरकर रखें, जैसे कि पुराने अखबार जिससे कि इसका शेप बरकरार रहे। यही नहीं, जब इसे अलमारी में रखें तो इसे दूसरी चीज़ों के नीचे दबा कर ना रखें बल्कि इसे सबसे ऊपर रखें। ऐसा करने से बैग तो खराब होगा ही साथ ही साथ इसकी शेप पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगी। अपनी लेदर बैग की चमक को बरकरार रखने के लिए लेदर कंडीशनर लें (कोई ऐरी-गैरी शू-पॉलिश नहीं) और इसे एक कॉटन के कपड़े पर डाल लें। इसे अच्छे से अपने लेदर बैग पर लगाएं, कोनों और किनारों पर लगाने के लिए अपनी उंगलियों का इस्तेमाल करें जिन्हें चमक की बहुत ज्यादा ज़रूरत है। जब सब जगह अच्छे से लग जाए तो एक मुलायम स्पॉन्ज का इस्तेमाल करते हुए इसे अच्छे से हल्के हाथों से रगड़ते हुए मिलाएं। अब हल्के हाथ से इसे धीरे-धीरे करके साफ करें। अब आपका लेदर बैग एकदम तैयार है।

बैग के बाहरी हिस्से को तो हम और आप चमकता हुआ देखना चाहते हैं, लेकिन इसके अंदरूनी हिस्से का कभी ध्यान नहीं रखते। इसके अंदर की लाइनिंग को लंबे समय तक नया रखने के लिए ये ज़रूरी है कि हम इसके अंदर क्या रखते हैं, वो बहुत सोच-समझकर रखें - जैसे कि बिना ढक्कन वाले पेन, बिना कवर वाली लिप्स्टिक्स और ऐसी ही नुकीली चीज़ों को अपने लेदर बैग से दूर रखें। इतना ही नहीं, थोड़े-थोड़े समय पर इसके अंदर को वैक्यूम क्लीनर से साफ कर लें, अगर ये वैक्यूम क्लीनर से साफ करना आपको थोड़ा ज़्यादा लगता है तो एक वेल्क्रो फ्लैप का इस्तेमाल करें, ये सारी गंदगी को अपनी ओर खींच लेगा। ये भी नहीं कर सकते तो आप समय-समय पर खुद सारा सामान बाहर निकल कर उसको साफ़ कर लें। एक बात जो सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली है बैग के अंदर गलती से भी नैप्थलीन बॉल्स को ना रखें। ये आपके बैग की पूरी चमक को खा जाएंगी। लेदर और पानी कभी एकसाथ नहीं रह सकते इस बात को आप आज ही गांठ बांध लें। अगर आप बारिश में अपना लेदर बैग लेकर जाने की सोच रहे हैं तो ये बहुत ही खराब आइडिया है। इससे आपका महंगा बैग तो खराब होगा ही साथ ही साथ आपके पैसे भी वसूल नहीं होंगे। अगर आप हमारे समझाने के बाद भी ऐसा कर रहे हैं तो इस पर बीज़वैक्स लगाना ना भूलें। कभी-कभी बीज़वैक्स, लेदर को साथ रिऐक्ट कर सकता है इसका रंग बदल सकता है। इसलिए हम सलाह देंगे कि आप इसे बैग के एक कोने पर लगाकर 24 घंटे के लिए छोड़ दें। वैसे इन सबसे अच्छा है कि आप लेदर बैग को बाहर लेकर ही ना जाएं।

मेकअप का जरूरी हिस्सा हैं ब्लश, स्किन टोन के अनुसार करें इसका चुनाव

मेकअप करना हर महिला को पसंद होता हैं जो उनके रूप को संवारने में मदद करता हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी हैं कि आप मेकअप में कुछ जरूरी चीजों को शामिल करें। ऐसी ही एक हैं ब्लश जो मेकअप का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे चाहे आप मेकअप के ऊपर लगाएं या सिर्फ़ स्किनकेयर बेस लगाने के बाद, चिक्स पर लगाएं या चिक्सबोन पर, इसके जुड़ते ही आपके चेहरे पर एक अलग तरह की चमक आ जाती है और चेहरे का ग्लो बढ़ जाता है। यह एक रिफ्रेशिंग लुक देता है, लेकिन यह आपकी स्किन पर तभी अच्छा लगता है, जब आप सही तरह से इसका इस्तेमाल करें। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह की स्किन के लिए कौनसा ब्लश बेहतर रहेगा और इसे लगाने का सही तरीका क्या हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में...

फेयर स्किन टोन : ब्लशर फेस को आकर्षक बनाने के साथ चिक बोन को उभारने का काम भी करता है। ब्लशर का चुनाव हमेशा स्किन टोन के अनुसार करना चाहिए। इससे मेकअप फरफेक्ट लगता है। जैसे गोरी या पीली स्किन वालों को लाइट पिंक या पीच कलर का चुनाव करना चाहिए। पिंक कलर मेकअप को नेचुरल लुक देगा। वैसे तो गोरी रंगत वाले किसी भी लाइट कलर का चुनाव कर सकते हैं लेकिन ड्रेस और लिपस्टिक के कलर का चुनाव उनके मेकअप को आकर्षक लुक दे सकता है।

मीडियम स्किन टोन : मीडियम स्किन टोन वाली महिलाओं के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि अलग-अलग लुक को हासिल करने के लिए आप बहुत सारे शेड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। पिंक या पीच कलर आपकी स्किन को एक नेचुरल लुक देता है, वहीं अगर आप एक बोल्ड लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप चमकीला गुलाबी रंग शेड को चुन सकती हैं। इस तरह आप कई तरह के कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट करके अपने मेकअप में डिफरेंट लुक्स क्रिएट कर सकती हैं।

डार्क स्किन टोन : डार्क स्किन टोन वाली महिलाएं मेकअप और ब्लश को लेकर काफी कंफ्यूज रहती हैं। डार्क स्किन टोन की महिलाओं को ऐसे शेड्स का चुनाव करना चाहिए जो उनकी रंगत को निखार सके न कि डल और दबा हुआ दिखाए। डार्क स्किन वालों को बोल्ड कलर्स का चुनाव करना चाहिए। ये कलर वॉर्म अंडरटोन के साथ परफेक्ट लुक देते हैं। गालों को उभारने के लिए आरेंज कलर का भी चुनाव किया जा सकता है।

ब्लश लगाने का सही तरीका : फाउंडेशन का बेस तैयार करने के बाद ब्लश लगाना चाहिए। ब्लश के लिए एक अच्छा ब्लेंडिंग ब्रश होना चाहिए। ब्रश पर ब्लशर लें और गालों पर लगाने से पहले अपने हाथ पर डैब करें और उसके बाद इसे गालों पर लगाएं। इससे एक्सेस ब्लश हाथों पर रह जाएगा और गाल पर ब्लेंडिंग आसान होगी। ब्लशर लगाने के बाद उसे ब्रश से अच्छे से ब्लेंड करना न भूलें। ब्लशर हमेशा कान से गाल की तरफ लाएं। चिकबोन से नीचे लगाते हुए इसे कान की तरफ ही ब्लेंड करें।

ब्लशर लगाते समय इन बातों का रखें ध्यान : ब्लशर का यूज बहुत ज्यादा या गहरा न करें। ब्लश केवल आपके गालों को हाइलाइट करने के लिए होते हैं। यदि इसे ज्यादा लगाया जाए तो ये मेकअप को बिगाड़ सकता है। ब्लशर को हमेशा कान से नाक की ओर लाएं। चिकबोन से नीचे की ओर गालों के पास इसे लगाना चाहिए। एक अच्छा ब्रश इसे लगाने और ब्लेंड करने के लिए होना जरूरी है।

बल्शर के साथ लगाएं ये चीजें: ब्लशर लगा कर आप ये न सोचें की आपका मेकअप कंप्लीट हो गया। ब्लशर के साथ चिकबोन के पास ऊपरी तरफ हाईलाइटर का प्रयोग जरूर करें। यदि ऐसा न किया जाए तो आपका चेहरा सपाट सा नजर आएगा। हाईलाइटर आपके फेस के उन हिस्सों को उभारता और शेप देता है, जिससे आपका मेकअप चेहरे पर ओवरपावर नहीं होने पाता। चिकबोन के ऊपरी हिस्से, माथे, नाक और ठुड्डी के पास हाईलाटर लगाने के बाद ही आपका मेकअप कंप्लीट होता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मी में रोजाना की डाइट में केले को शामिल करें

गर्मी का मौसम आ गया है। अब सेहत का विशेष ख्याल रखने की आवश्यकता है। ऐसे में खानपान का रोल बढ़ जाता है। ऐसी चीजों का ज्यादा सेवन करना चाहिए जो बॉडी को हाइड्रेटेड रखें और आपको हेल्दी।।गर्मी में फलों का सेवन भी किया जाता है। अगर आप भी इस मौसम में खुद को हेल्दी रखना चाहते हैं तो रोजाना की डाइट में केले को शामिल कर लें। यह सेहत को गजब का फायदा पहुंचाता है। स्किन पर तो यह कमाल का असर दिखाता है। अगर आपके खानपान में केला शामिल है तो आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आइए जानते हैं गर्मी में केला खाने के फायदे।।

एनर्जी का पॉवर हाउस है केला

केला एनर्जी का पावरहाउस है। यह कार्बोहाइड्रेट का शानदार सोर्स है। अगर आप केला खाते हैं तो आपकी बॉडी को इंस्टेंट एनर्जी मिलती है। इसे खाने से आप दिनभर ऊर्जा से भरे रहते हैं। सुबह ऑफिस या कॉलेज जाते वक्त केला खाने से दिनभर आप एनर्जेटिक बने रहते हैं।

स्ट्रेस भगाए, करे टेंशन फ्री

स्ट्रेस में केला काफी फायदेमंद होता है। इसमें ट्रिप्टोफैन नाम का तत्व पाया जाता है। यह शरीर में सेरोटोनिन बनाने का काम करता है। स्ट्रेस को कम करने में सेरोटोनिन काफी काम आता है। मतलब अगर आप केला खाते हैं तो स्ट्रेस आपके पास भी नहीं फटकता है।

दिल को रखता है दुरुस्त

हार्ट की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो हर दिन केले का सेवन करें। इसमें पोटैशियम की मात्रा भरपूर पाई जाती है। यह हार्ट को सही तरीके से काम करने में हेल्प करता है। केले में विटामिन बी 6 की भी प्रचुरता होती है। यह भी हार्ट के लिए फायदेमंद होता है।

चेहरा चमकदार बनाए

अगर आप स्किन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं तो केला काफी फायदेमंद होता है। यह आपकी स्किन की समस्या से छुटकारा दिला सकता है। केला खाने से चेहरा चमकदार बनता है और स्किन खिली-खिली बनती है।

डाइजेशन की समस्या करे दूर

केला खाने से पाचन की समस्याएं दूर हो सकती है। अगर आप कब्ज, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं से जूझ रही है तो केला खाना फायदेमंद हो सकता है। (आरएनएस)

खीरा खाने से पहले जान लीजिए इसे खाने का सही तरीका

गर्मियों का आगमन हो चुका है। वही ऐसे में खीरा खाना आपके लिए बेहद फायदेमंद होगा, वजन घटाने और शरीर को स्लिम-ट्रिम रखने में भी इसका सेवन महत्वपूर्ण किरदार निभाता है। इसके बाद भी अधिकतर लोगों को इसे खाने का सही तरीका नहीं पता है। वे इस बात को लेकर असमंजस रहते हैं कि इसे छीलकर खाना चाहिए या बिना छीला हुआ। आइये आज दूर करते है आपका असमंजस...

खीरे को खाने का सही तरीका:-

खीरे को खाने का सही तरीका क्या है। क्या उसे छीलकर खाना चाहिए या बिना छीला हुआ। आयुर्वेदाचार्यों की मानें तो खीरे को छीलकर नहीं बल्कि बिना छीले खाना चाहिए। वास्तव में उसके छिलके के भीतर ही उसके आधे गुण छिपे होते हैं, जिसे हम छीलकर दूर कर देते हैं। हालांकि खाने से पहले उसकी कड़वाहट निकाल देनी चाहिए। साथ ही साफ पानी से धो भी लेना चाहिए।

खीरा खाने के फायदे:-

* चेहरे की झुर्रियों को करता है कम:- खीरा खाने से स्किन एजिंग यानी त्वचा पर झुर्रियां पड़ने की दर धीमी हो जाती है। इसके चलते चेहरे पर हमेशा रौनक खिली रहती है तथा व्यक्ति जवां-जवां नजर आता है।

* वज़न कम करने में मिलती है मदद:- खीरे में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जिससे पेट का पाचन तंत्र बढ़िया से काम करता है। इससे कब्ज एवं गैस-एसिडिटी की दिक्कत दूर हो जाती है। इसके सेवन से पेट भरा-भरा रहता है।

* शरीर में करता है पानी की आपूर्ति:- खीरे के भीतर भरपूर मात्रा में पानी पाया जाता है, जिसके चलते उसे खाने से बॉडी हमेशा हाइड्रेट रहती है। यदि आप प्रतिदिन खीरे का सेवन करते हैं तो शरीर में कभी भी पानी की कमी नहीं हो पाती।

शब्द सामर्थ्य -082

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

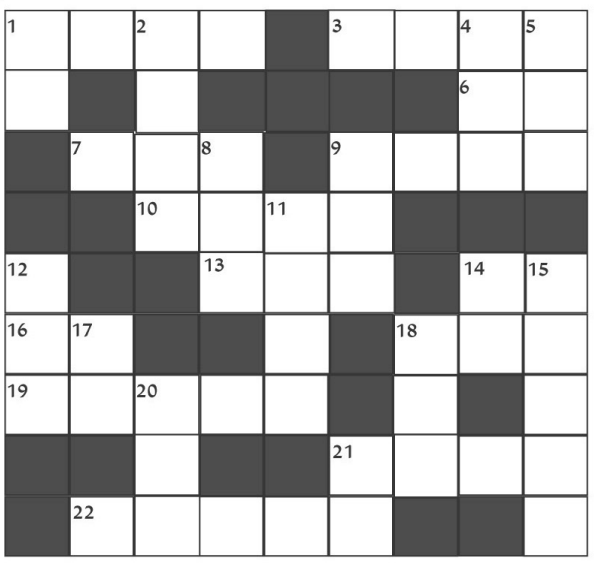

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 81 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

'एक कोरी प्रेम कथा' में सामाजिक कुरीतियों से लड़ेंगी खनक बुद्धिराज

अभिनेत्री खनक बुद्धिराज, जो पेशे से एक वास्तुकार हैं, ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'एक कोरी प्रेम कथा' के पोस्टर का अनावरण किया। फिल्म में अक्षय ओबेरॉय और अनुभवी अभिनेता राज बब्बर भी हैं। फिल्म एक ग्रामीण प्रथा 'कोरी' के इर्द-गिर्द घूमती है। ग्रामीण प्रथा के तहत, नवविवाहित जोड़ा संभोग करने से पहले बिस्तर पर एक सफेद कपड़ा बिछाता है, अगर हाइमन टूटने के कारण सफेद कपड़े पर लाल दाग लग जाता है, तो इसका मतलब है कि दुल्हन शुद्ध और 'कोरी' है। हरियाणा के अंबाला की रहने वाली खनक बुद्धिराज पेशे से आर्किटेक्ट हैं और 'एक कोरी प्रेम कथा' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। सिनेमा में काम करने की उनकी लंबे समय से चली आ रही महत्वाकांक्षा तब पूरी हुई जब उन्हें 'बॉम्बे', 'रंगीला' और 'हम दिल दे चुके सनम' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस सुघंद फिल्म्स ने साइन किया। 'एक कोरी प्रेम कथा' के अलावा, अभिनेत्री-निर्देशक की पाइपलाइन में 'जॉनी जम्पर' भी है, जिसमें विजय राज, बृजेंद्र काला और जाकिर हुसैन हैं। फिल्म 2023 में रिलीज होने वाली है। (आरएनएस)

बॉक्स ऑफिस पर तू झूठी मैं मक्कार के आगे नहीं चला किसी फिल्म का जादू

लव रंजन द्वारा निर्देशित तू झूठी मैं मक्कार सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसको दर्शकों के साथ समीक्षकों की भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म में पहली बार रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्क्रीन साझा करते नजर आए। इसमें अनुभव सिंह बस्सी, डिंपल कपाड़िया और बोनी कपूर भी हैं। फिल्म ने रविवार को 3.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ तू झूठी मैं मक्कार का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 131.31 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

तू झूठी मैं मक्कार 8 मार्च को होली के मौके पर रिलीज हुई थी और तब से यह शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान कई फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुईं, जिसमें कपिल शर्मा की ज्विगाटो, रानी मुखर्जी की फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे और अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित भीड़ शामिल हैं। हालांकि, यह सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी। रणबीर-श्रद्धा की फिल्म के आगे राजकुमार राव से लेकर कपिल और रानी की अदाकारी कमाल नहीं दिखा सकी।

टूथ परी : वेन लव बाइट्स में डेंटिस्ट की भूमिका निभाएंगे शांतनु माहेश्वरी

गंगूबाई काठियावाड़ी में अपने काम के लिए सराहना पाने वाले डांसर से अभिनेता बने शांतनु माहेश्वरी जल्द ही अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज टूथ परी: वेन लव बाइट्स में एक डेंटिस्ट की भूमिका निभाते नजर आएंगे। सीरीज वैम्पायर और मनुष्य दोनों के बीच एक लव स्टोरी हैं।

कहानी में रूमी (तान्या मानिकतला द्वारा अभिनीत) एक वैम्पायर है, जिसका शिकार के दौरान उसका एक दांत टूट जाता है, वह रॉय, जो डेंटिस्ट है, के पास आती है। यह उनकी पहली मुलाकात होती है। सीरीज की शूटिंग कोलकाता में हुई है। इसमें रोमांस, रहस्य, सस्पेंस आदि का तड़का है।

इसके अलावा, इस थ्रिलर सीरीज में सिकंदर खेर, आदिल हुसैन, रेवती, सास्वता चटर्जी और तिलोत्तमा शोम भी दिखाई देंगे। एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा निर्मित, प्रतिम दासगुप्ता द्वारा निर्देशित, टूथ परी: वेन लव बाइट्स ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स पर 20 अप्रैल, 2023 को रिलीज होगी।

कार्तिक आर्यन के साथ 'आशिकी' जैसी लव स्टोरी में काम करना चाहती हैं राशि खन्ना

एक्ट्रेस राशि खन्ना ने एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ 'आशिकी' जैसी लव स्टोरी में काम करने की इच्छा जताई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान राशि ने कार्तिक के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि उनके साथ मैं एक इंटेंस लव स्टोरी करना चाहूंगी, कॉमेडी फन जॉनर की तरह की फिल्म नहीं बल्कि आशिकी जैसी इंटेंस फिल्म की तरह। मुझे लगता है कि वह फिल्म बहुत अच्छी होगी क्योंकि मुझे रोमांटिक फिल्में पसंद हैं। मैंने एक फिल्म की थी, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था इसलिए मुझे कार्तिक के साथ लव स्टोरी जैसी फिल्मों में काम करना है, शायद ऐसी ही कोई फिल्म हो। वर्कफ्रंट की बात करें तो, कार्तिक के पास सत्यप्रेम की कथा, आशिकी 3, और कबीर खान की अगली फिल्म के साथ अन्य फिल्में लाइन में है।(आरएनएस)

28 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2

ऐतिहासिक फिल्म पोन्नियिन सेल्वन सुपरहिट थी। तभी से दर्शकों को इसके दूसरे भाग का इंतजार था, जो अब जल्द ही खत्म होने जा रहा है। फिल्म के लिए हिंदीभाषी दर्शक भी बराबर उत्साहित हैं, क्योंकि एक तो यह पैन इंडिया फिल्म है और दूसरी वजह इसमें ऐश्वर्या राय बच्चन हैं, जो फिल्म में अहम भूमिका निभा रही हैं। जिसमें चोल साम्राज्य की कहानी को आगे बढ़ाते हुए दिखाया गया है, वहीं सिंहासन के लिए फिर छिड़ा महायुद्ध रोंगटे खड़े करने वाला है। ऐश्वर्या बला की खूबसूरत और धाकड़ अवतार में दिख रही हैं। मंदाकिनी और नंदिनी उनके दोनों किरदार प्रभावी हैं। ऐश्वर्या की सुंदरता और कुटिरता दोनों आकर्षित करती है। सुपरस्टार विक्रम और अदिथा करिकलां भी धांसू अवतार में दिख रहे हैं। ट्रेलर में वो सबकुछ है, जो एक पीरियड ड्रामा फिल्म में होना चाहिए।

फिल्म के पहले भाग को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। फिल्म में ऐश्वर्या ने डबल रोल निभाया था। हालांकि, इसकी जानकारी फिल्म के क्लाइमैक्स में मिली थी। पोन्नियिन सेल्वन प्रसिद्ध लेखक कल्की कृष्णमूर्ति के इसी नाम से आए मशहूर उपन्यास पर आधारित है। दूसरे भाग में भी ऐश्वर्या के अलावा चियान विक्रम, कार्थी, जयम रवि और त्रिशा कृष्णन जैसे कई सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 28 अप्रैल, 2023 को रिलीज हो रही है।

पोन्नियन सेल्वन तमिल भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है कावेरी नदी का बेटा। लगभग 2,000 पन्नों का यह बेहद लोकप्रिय उपन्यास है, जिसके कई संस्करण हैं और अंग्रेजी में अनुवाद प्रकाशित किए जा चुके हैं। यह वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं और पात्रों से प्रेरित है।

पोन्नियिन सेल्वन निर्देशक मणिरत्नम का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। वह इस पर बीते 28 सालों से काम कर रहे थे। मणिरत्नम ने इंटरव्यू में कहा था कि 1994 में उन्होंने इस ऐतिहासिक कहानी को पर्दे पर लाने का मन बनाया था, लेकिन उस वक्त 100 करोड़ रुपये के बजट में फिल्म बनाना बड़ी बात थी। 2010 में जब उन्होंने इसे बनाने की सोची तो लोकेशन के कारण यह अटक गई। फिर आखिरकार 2019 में मणिरत्नम ने इसे बनाना शुरू किया।

पोन्नियन सेल्वन 30 सितंबर, 2022 को सिनेमाघरों में आई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए थे। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। यह 2022 में सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मी बनी थी। इसने 16वें एशियाई फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित 6 नामांकन हासिल किए थे। ऐश्वर्या, कार्थी, विक्रम, जयराम रवि और प्रकाश राज ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी।

रणबीर कपूर ने जताई कृति सेनन के साथ काम करने की इच्छा

बॉलीवुड के दिल की धड़कन रणबीर कपूर अभिनेत्री कृति सेनन के साथ काम करना चाहते हैं। हाल ही में अपनी फिल्म तू झूठा मैं मक्कार के प्रमोशन के दौरान रणबीर कपूर से पूछा गया कि वह किस अभिनेता और अभिनेत्री के साथ काम करना चाहेंगे। इस पर अभिनेता ने कृति के नाम का उल्लेख एक अभिनेत्री के रूप में किया, जिसके साथ वह वास्तव में काम करना चाहते हैं। फिल्म तू झूठा मैं मक्कार का निर्देशन लव रंजन ने किया है। इसमें रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर ने अपनी पहली फिल्म में एक साथ काम किया है, जिसमें अनुभव सिंह बस्सी, डिंपल कपाड़िया और बोनी कपूर प्रमुख सहायक भूमिकाओं में हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति दो बड़ी फ़िल्म में नजर आने वाली हैं - प्रभास के साथ आदिपुरुष और टाइगर श्रॉफ के साथ गणपथ। इसके अलावा द क्रू और शाहिद कपूर के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म भी है।

चोर निकल के भागा नेटफ्लिक्स की टॉप-3 की सूची में शामिल

यामी गौतम मौजूदा वक्त में चोर निकल के भागा को लेकर चर्चा में हैं। 24 मार्च को यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है और इसे दर्शकों द्वारा खूब प्यार मिल रहा है। इसमें यामी संग अभिनेता सनी कौशल मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं और अजय सिंह इसके निर्देशक हैं।

इस थ्रिलर फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। दर्शकों को फिल्म में यामी गौतम का अभिनय पसन्द आया है। साथ ही उन्होंने अभिनेता सनी कौशल की भी तारीफ की है। सनी कौशल ने इस फिल्म में ग्रे शेड में नायक की भूमिका निभाई है।

गौरतलब है कि पिछले दो सालों से यामी गौतम की सभी फिल्मों का प्रदर्शन ओटीटी प्लेटफार्म पर हो रहा है। दिनेश विजान द्वारा निर्मित चोर निकल के भाग से पहले भी यामी गौतम की ए थ्रसडे, दसवीं और लॉस्ट का प्रदर्शन ओटीटी पर हुआ था। इन सभी फिल्मों को दर्शकों ने भारी तादाद में पसन्द किया था। अब यामी अपनी हालिया रिलीज चोर निकल के भागा के लिए तारीफे हासिल कर रही हैं। इस फिल्म को देश से बाहर भी लोग पसंद कर रहे हैं और भारत और अमेरिका में टॉप पर ट्रेंड कर रही है।

अब जानकारी आई है कि केवल 3 तीनों में चोर निकल के भागा नेटफ्लिक्स की टॉप-3 की सूची में शामिल हो गई है।

सोशल मीडिया पर यामी को काफी पॉजिटिव कमेंट्स मिल रहे हैं, और अभिनेत्री वास्तव में सभी से मिल रही शानदार प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। चोर निकल के भागा को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए, यामी ने कहा, चोर निकल के भागा और मेरे किरदार को मिली प्रतिक्रिया कम से कम कहने के लिए संतुष्टिदायक रही है। मेरे कई दोस्त और परिवार जो भारत से बाहर रह रहे हैं, उन्होंने भी टेक्स्ट किया है और फिल्म के बारे में अच्छी बातें कही हैं। और सबसे अहम बात यह है कि जिस तरह से दर्शक और मेरे फैन्स नेहा और फिल्म को इतना प्यार दे रहे हैं.. यह अवास्तविक लगता है, रिलीज के बाद से मेरा फोन बजना बंद नहीं हुआ है।

यह फिल्म सिर्फ भारत और यूएस में ही नहीं टॉप पर ट्रेंड हो रही है, बल्कि इजराइल में भी नंबर 2 पोजीशन पर है, जो एक हिंदी फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

अपने विदेशी फैन से तारीफ के शब्द सुनकर यामी ने भी अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा-आपके प्यार और इसे साझा करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद. . . . यह मेरे लिए भी बहुत मायने रखता है. . .

यामी ने आगे कहा, मैं सोशल मीडिया पर जितना हो सके उतने मैसेज और प्रतिक्रियाएं पढने की कोशिश कर रही हूं, जो लोग फिल्म के लिए डाल रहे हैं और मैं ये सब पढक़र वास्तव में बहुत खुश और प्रेरित महसूस कर रही हूं। मुझे खुशी है कि प्रशंसकों ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उसके साथ न्याय कर सकी..

वह आगे कहती हैं, आपके दर्शकों को आपकी पसंद के साथ खड़े देखना बेहद संतोषजनक है, और मुझे उम्मीद है कि मैं इसे जारी रखूंगी। मुझे लगता है कि मुझ पर एक निश्चित जिम्मेदारी है, क्योंकि दर्शकों से एक निश्चित स्तर की उम्मीदें तब आती हैं जब यह मेरी फिल्मों और मेरे काम की पसंद की बात आती है, और यह विचार मुझे हमेशा खुश करेगा और मुझे अपने काम में बेहतर होने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं आने वाले समय में यामी प्रतीक गांधी के साथ धूम धाम और अक्षय कुमार के साथ ओएमजी 2 में दिखाई देंगी।(आरएनएस)

नेतन्याहू के खिलाफ उठ खड़े हुए इजराइली!

श्रुति व्यास

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू देश-दुनिया में बदनाम और अलोकप्रिय हो गए हैं। वजह उनके द्वारा न्यायपालिका के सिर पर कार्यपालिका को बैठाने के प्रस्तावित कानूनी सुधार। सोमवार को देश की सबसे बड़ी यूनियन जन आंदोलन में शामिल हुई। और येरूसलेम का एयरपोर्ट ठप्प। येरूसलम व तेल अवीव सहित लगभग पूरे देश में जनजीवन थम गया है। इतना ही नहीं सेना के रिर्जव जवान भी आंदोलनकारियों के साथ सड़क पर उतरे। उनके प्रति रक्षा मंत्री के रूख को समझ नेतन्याहू ने रविवार को रक्षा मंत्री योव गेलेंट को बर्खास्त किया। इसके बाद विरोध प्रदर्शनों में और तेजी आई। गेलेंट ने सार्वजनिक रूप से स्टेंड लिया है कि न्यायिक बदलाव की प्रक्रिया रोकी जाए। यह चेतावनी भी दी कि इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ेगी। सोमवार को इन पंक्तियों के लिखे जाने तक अंतरराष्ट्रीय मीडिया में अनुमान है कि नेतन्याहू राष्ट्र के नाम संदेश में न्यायपालिका को दबाने के प्रस्ताव को वापिस लेने की घोषणा करेंगे।

सचमुच इजराइल उबल रहा है। वह दो हिस्सों में बंट गया है। जो लोग सड़कों पर उतरे हैं उनका मानना है कि अगर उन्होंने अभी आवाज नहीं उठाई, विद्रोह नहीं किया तो सरकार को राष्ट्रवादी एजेंडे पर चलने और धार्मिक पार्टियों की जी हुजूरी करने से कोई नहीं रोक पाएगा। उन्हें डर है कि सुप्रीम कोर्ट के कमजोर हो जाने से सरकार पर कोई नियंत्रण नहीं रह जाएगा। दूसरी ओर अति कट्टरपंथी इजरायली नागरिक न तो सड़कों पर उतर रहे हैं और ना ही सरकार की योजनाओं के विरूद्ध याचिकाओं पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। एक थिंक-टैंक, इजराइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के अनुसार इजराइल के धर्मनिरपेक्ष यहूदियों में से अब तक लगभग एक-तिहाई विरोध प्रदर्शनों में भाग ले चुके हैं परंतु अति-कट्टरपंथी इजरायलियों की इन प्रदर्शनों में भागीदारी नहीं के बराबर है।

इजराइल हमेशा से दो हिस्सों में बंटा रहा है परंतु नेतन्याहू के ताजा कार्यकाल में ये विभाजन और गहरे हुए हैं। इनके मूल में यह डर है कि देश का प्रजातांत्रिक चरित्र खतरे में है। दरअसल दो इजराइल एक-दूसरे के आमने-सामने हैं - पहला है धार्मिक परंतु अपेक्षाकृत विपन्न इजराइल जिसका नेतृत्व नेतन्याहू का गठबंधन कर रहा है। दूसरी तरफ है काफी हद तक धर्मनिरपेक्ष और मध्यम-वर्गीय इजराइल जिसे ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट ही देश के उदारवादी मूल्यों की रक्षा कर सकता है। फ्रांस की तरह इजराइल में भी वातावरण गंभीर और अनिश्चित है। यद्यपि आंदोलन और विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कोई नहीं कर रहा है परंतु सेना के रिजर्वस्टिों की ओर से सुधारों से तौबा करने का जबरदस्त और अनापेक्षित दबाव है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इजराइल के मित्र देश भौचक्का हैं। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि देश किस ओर जा रहा है। निरंतर जोर पकड़ते आंदोलन और सरकार की उदासीनता से अमेरिका चिंतित है। इजराइल के घटनाक्रम से अच्छे संकेत नहीं मिल रहे हैं।

सत्तर लाख की आबादी वाले देश के विभिन्न भागों में लगभग पांच लाख लोग पिछले दस सप्ताह से प्रदर्शनों में भाग ले रहे हैं, पुलिस से उनकी भिड़ंत हो रही है। नेतन्याहू के नेतृत्व में देश में शांति रही है और प्रगति हुई है। नेतन्याहू को उनके प्रशंसक और विरोधी दोनों किंग बीवी कहते हैं। वे अब तक पन्द्रह साल से अधिक सत्ता में रह चुके हैं और उन्होंने देश के संस्थापकों में से एक और प्रथम प्रधानमंत्री डेव्हिड-बेन-गुरियन से देश के सबसे लंबी अवधि के प्रधानमंत्री का तमगा छीन लिया है।

परंतु भ्रष्टाचार के आरोपों और राजनैतिक अस्थिरता के कारण 2019 से लेकर अब तक इजराइल में पांच चुनाव हो चुके हैं। जून 2021 में नेतन्याहू सत्ता से बाहर हो गए थे परंतु देश को एक स्थिर सरकार की दरकार थी जिसके चलते पिछले नवंबर में उनकी लिकुड पार्टी के नेतृत्व वाले घोर दक्षिणपंथी और कट्टर धार्मिक दलों के एक गुट ने चुनाव में बहुमत हासिल कर लिया। इसके बाद जो सरकार बनी है वह इजराइल की अब तक की सबसे दक्षिणपंथी सरकार है।

नेतन्याहू का संसद की मंजूरी के लिए बना प्रस्ताव न्यायपालिका को पंगु बनाता है, यही सत्ताधारी गठबंधन का मुख्य एजेंडा है। यद्यपि नेतन्याहू व्यक्तिगत तौर पर इसकी बहुत वकालत नहीं कर रहे हैं परंतु उनकी पार्टी के अन्य सदस्य यह छुपाने की तनिक भी चेष्टा नहीं कर रहे हैं कि वे इजराइल के सुप्रीम कोर्ट से नफरत करते हैं। उनका मानना है कि सुप्रीम कोर्ट को आवश्यकता से अधिक शक्तियां प्राप्त हैं और यह भी कि वह सेटलर मूवमेंट, इजराइल के अति धार्मिक समुदायों और मिजराही यहूदियों अर्थात मध्यपूर्व के यहूदियों के खिलाफ पूर्वाग्रहग्रस्त है। वैसे भी इजराइल के दक्षिणपंथियों ने अब तक सुप्रीम कोर्ट को 2005 के उस निर्णय के लिए माफ नहीं किया है जिसके अंतर्गत गाजा पट्टी से इजराइल की सेनाओं की वापिसी हुई थी।

नेतन्याहू ने जो सुधार प्रस्तावित किए हैं उनके अंतर्गत 120 की सदस्यता वाली इजरायली संसद केनेसेट, 61 के बहुमत से सुप्रीम कोर्ट के किसी भी निर्णय को पलट सकेगी और अधिकांश जजों की नियुक्ति का अधिकार राजनीतिज्ञों के हाथों में होगा। जाहिर है कि इससे न्यायपालिका कमजोर होगी और राजनीतिज्ञ अभूतपूर्व शक्तियों से लैस हो जाएंगे। इसका यह अर्थ भी होगा कि नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा नहीं चल सकेगा।

जहां तक नेतन्याहू का सवाल है, वे गंभीर मुश्किल में फंस गए हैं। इजरायली मीडिया के अनुसार नेतन्याहू शायद कोई समझौता करने को तैयार भी हो जाएंगे परंतु उनके अति-दक्षिणपंथी साथी इसके लिए तैयार नहीं हैं और वे सरकार को गिराने की स्थिति में हैं। नेतन्याहू विपक्षी दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाने का प्रयास कर सकते हैं परंतु समस्या यह है कि कोई उनपर विश्वास करने को तैयार नहीं है।

यदि कथित न्यायिक सुधार वर्तमान स्वरूप में लागू कर दिए गए तो इजराइल एक अभूतपूर्व संवैधानिक संकट में फंस सकता है। सुप्रीम कोर्ट उसकी शक्तियों को कम करने वाले कानून को पूर्णत: या अंशत: असंवैधानिक घोषित कर रद्द कर सकता है और सरकार कोर्ट का आदेश मानने से इंकार कर सकती है। समय बीतता जा रहा है। अगर सत्ताधारी गठबंधन संसदीय समितियों से अनुमोदन प्राप्त कर लेता है और केनेसेट के अधिवेशन में उसे नए कानून को पारित कराने लायक वोट मिल जाते हैं तो, जैसा कि राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग, ने कई बार चेतावनी दी है कि देश में गृहयुद्ध शुरू हो जाएगा। आंशका है कि फ्रांस और इजराइल दोनों में वसंत का असंतोष गर्मियां आते-आते हिंसा और खूनखराबे में बदल सकता है।

सिद्धू का कांग्रेस क्या करेगी?

नवजोत सिंह सिद्धू की पंजाब के पटियाला जेल से रिहाई हो गई है। करीब तीन दशक पुराने एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनको एक साल की सजा सुनाई थी। सजा पूरी होने से 49 दिन पहले उनकी रिहाई हो गई है। अब लाख टके का सवाल है कि कांग्रेस पार्टी उनका क्या करेगी? सिद्धू की राजनीति के चलते पंजाब में कांग्रेस को खासा नुकसान हुआ। उनकी पहले कैप्टेन अमरिंदर सिंह से नहीं बनी और बाद में चरणजीत सिंह चन्नी से भी नहीं बनी। वे अपने को पंजाब कांग्रेस का सबसे मजबूत सत्ता केंद्र मानते रहे क्योंकि उनको प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी का समर्थन था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि वे विधानसभा का चुनाव हार गए और फिर जेल जाना पड़ा।

अब जबकि वे जेल से छूट गए हैं तो उनकी उपयोगिता को लेकर चर्चा हो रही है। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा अब भी उनके प्रति सद्भाव रखते हैं। तभी जब 26 जनवरी को उनकी रिहाई की चर्चा हुई थी तब राहुल गांधी ने श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा के समापन कार्यक्रम में उनको न्योता दिया था। हालांकि तब उनकी रिहाई नहीं हो सकी थी। कांग्रेस के कई नेता मान रहे हैं कि सिद्धू की लोकप्रियता अब भी कायम है और उनकी जैसी वक्तृता वाला नेता भी कांग्रेस के पास नहीं है। लेकिन मुश्किल यह है कि मौजूदा अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के साथ सिद्धू कैसे काम करेंगे? वे अपनी स्वतंत्र राजनीति करना चाहेंगे। सो, अगले कुछ दिन तक सिद्धू की राजनीति पर नजर रखने की जरूरत है। उनके पास आम आदमी पार्टी में जाने का विकल्प भी है और भाजपा में वापसी का भी विकल्प है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.082

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.81 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

छोरी 2 की शूटिंग पूरी कर खुश हैं नुसरत और सोहा

अभिनेत्री नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की खुशी का ठिकाना नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपनी हॉरर फिल्म छोरी 2 की शूटिंग पूरी कर ली है।

सोहा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दोनों खुशी से झूम रहे हैं और फिर एक दूसरे को गले लगा रहे हैं। कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए दोनों की तस्वीरों के साथ वीडियो समाप्त होता है। एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया, छोरी 2 की शूटिग पूरी कर काफी खुश हूं। साथ ही इसमें सोहा ने हैसटैग के जरिए छोरी 2, पोस्टरशूट, डनएंडडस्टड एट द रेट नुसरत भरुचा, विशाल को टैग किया। विशाल फुरिया, जिन्होंने 2021 में छोरी का निर्देशन किया था, अगली कड़ी में निर्देशक की सीट पर लौट आए हैं। इस सीक्वल को टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। साक्षी, जिसका किरदार नुसरत भरूचा ने निभाया है, की कहानी को आगे ले जाएगी, जहां से इसे छोड़ा गया था। साथ ही, कुछ प्रमुख किरदार भी वापस देखने को मिलेंगे। नुसरत ने इस सीक्वल में भी साक्षी का किरदार निभाया है। वहीं, कुछ किरदार पल्लवी पाटिल, सौरभ गोयल और सोहा द्वारा समर्थित है। छोरी 2 गुलशन कुमार और टी-सीरीज फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत है।

मनरेगा मजदूरी का सवाल

जरूरी यह है कि मनरेगा मजदूरी हो या न्यूनतम मजदूरी, उसे मुद्रास्फीति के इंडेक्स से जोड़ा जाए। तभी शहर से गांवों तक में श्रमिक वर्ग के उपभोग के स्तर को बनाए रखा जा सकेगा, जो आम अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए भी जरूरी है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) मौजूदा सरकार की कभी प्राथमिकता नहीं रहा। लेकिन ग्रामीण समाज की हकीकत ऐसी है कि सरकार ना तो इसे उगल पाती है या ना निगल पाती है। कोरोना काल में यह आम तजुर्बा रहा कि यह योजना गरीबों के लिए सबसे बड़ा सहारा साबित हुई। उसके बाद इस कानून को नजरअंदाज करना संभव नहीं रह गया है। तो सरकार ने आखिरकार मनरेगा की मजदूरी बढ़ाने का फैसला लेना पड़ा है। बहरहाल, एक मुद्दा अभी भी अनसुलझा है। अलग-अलग राज्यों में मजदूरी की दर में असमानता कायम है।

सवाल यह है कि आखिर एक ही योजना में काम करने वालों को समान मजदूरी क्यों नहीं मिलती? मनरेगा के तहत अगले वित्त वर्ष 2023-24 में दिहाड़ी बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। वेतन में सात रुपए से लेकर 26 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। यानी दिहाड़ी में वेतन वृद्धि दो से दस प्रतिशत तक होगी। ये नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी। इस बढ़ोत्तरी के बाद हरियाणा में उच्चतम मजदूरी दर 357 रुपए प्रतिदिन होगी।

दूसरी ओर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे कम दैनिक मजदूरी दर 221 रुपए है। वहीं राजस्थान में वर्तमान मजदूरी दर की तुलना में अधिकतम 10.39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और गोवा में सबसे कम 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वैसे जब से मनरेगा शुरू हुआ है, मजदूरी की दर अलग-अलग रही है। इसका कारण यह बताया जाता है कि भारत के अलग-अलग राज्यों में जीवन-यापन की लागत अलग-अलग होती है। यानी जो खर्च दिल्ली में होता है, वह बिहार में नहीं होता। इस वजह से हर राज्य में दिहाड़ी भी अलग-अलग रखी जाती है। यह बात अपने-आप में ठीक है। लेकिन गुजरे एक वर्ष में जिस रूप में महंगाई बढ़ी है, क्या उसकी दर भी अलग-अलग रही है? जरूरत इस बात की है कि मनरेगा की मजदूरी हो या न्यूनतम मजदूरी, उसे मुद्रास्फीति के इंडेक्स से जोड़ा जाए। तभी शहर से गांवों तक में श्रमिक वर्ग के उपभोग के स्तर को बनाए रखा जा सकेगा, जो आम अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए भी जरूरी है। (आरएनएस)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा उत्तराखंड की प्रदेश कार्य समिति के शुभारंभ सत्र में प्रतिभाग किया।

लच्छीवाला टोल प्लाजा पर हाथी की चहलकदमी से मचा हड़कंप

हमारे संवाददाता

देहरादून। डोईवाला के लच्छीवाला स्थित टोल प्लाजा पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक हाथी जंगल से चहलकदमी करता हुआ ट्रैफिक के बीच आ धमका। हालांकि हाथी ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। लेकिन जब तक हाथी सड़क में रहा लोगों की सांसे थमी रही।

टोल प्लाजा के समीप हाथी आने की यह घटना कल देर शाम लगभग सात बजे की है। जानकारी के अनुसार कल शाम हाथी जगंल की ओर से सड़क पर मौजूद ट्रैफिक के बीच आ गया और वाहनों की आवाज के बीच वह डिवाइडर को पार करता हुआ सड़क के दूसरे किनारे से जगंल में चला गया। इससे वहां से आने जाने वाले यात्रियों की हाथी को देखकर हालत पतली हो गई क्योंकि यह हाथी टोल प्लाजा के बेहद नजदीक के जंगल से निकलकर सड़क पर आ गया। बताया जा रहा है कि जिस वक्त यह हाथी जंगल से निकल कर सड़क पर आया उस समय एक व्यक्ति सड़क पर जा रहा था। वह हाथी को अपने बेहद करीब देखकर सड़क पर दौड़ पड़ा और किसी तरह से उसने भाग कर अपनी जान बचाई।

हालांकि कौतूहलवश कई वाहनों के लोग हाथी को देखने के लिए वाहनों से बाहर भी निकल आए। जिसके बाद यह हाथी जंगल के एक किनारे से मुख्य हाईवे पर आने के बाद उसके डिवाइडर को पार करता हुआ जंगल के दूसरे किनारे पर चला गया। हाथी को वहां से गुजरने के बाद वाहनों में बैठे यात्रियों ने राहत की सांस ली।

बता दें कि लच्छीवाला टोल प्लाजा एलिफेंट कॉरिडोर की जमीन पर बनाया गया है इसलिए आए दिन खास तौर पर गर्मियों में इस मार्ग पर हाथियों की आवाजाही बनी रहती है।

कोरोना से निपटने की तैयारियों...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

रोज मिल रहे हैं तथा कुछ लोगों की कोरोना के कारण मौत भी हुई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा मामले देहरादून में सामने आ रहे हैं। भले ही स्थिति अभी सामान्य सही लेकिन स्थिति को देखते हुए उन्होंने जांच का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि देश में एक बार फिर कोरोना का प्रकोप बढ़ता दिख रहा है केरल और दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से कोरोना मरीजों की संख्या बड़ी है। बीते कल केरल में 1800 तथा दिल्ली में 600 नए मामले आए हैं तथा देश भर में 7 लोगों की मौत हुई है जिसके कारण केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सभी राज्यों से 10 और 11 अप्रैल को अपने राज्यों में मॉक ड्रिल के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं की जांच परख करने को कहा गया था। धन सिंह रावत का कहना है कि हम अपनी तैयारियों को लेकर सतर्क है। देश में बढ़ते कोरोना के प्रभाव के कारण अब सक्रिय केसों की संख्या 33 हजार के पार पहुंच चुकी है।

रिजार्ट में चल रहा था अनैतिक देह...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

के लिए चण्डीगढ़ से लाने वाला व्यक्ति संजय तथा कुछ अन्य व्यक्ति फरार हो गये है जिनकी तलाश हेतु पुलिस द्वारा सम्भावित स्थानो में दबिशे दी जा रही है।

एसएसपी ने बताया कि रिजार्ट का विजिटर रजिस्टर चैक करने पर उसमें 7 अप्रैल के बाद से रिजार्ट में आने वाले किसी भी व्यक्ति की एंट्री नही की गयी थी। मौके से बरामद आपत्तिजनक सामग्री, नगदी, वाहन, विजिटर रजिस्टर आदि को पुलिस द्वारा कब्जे में लिया गया। रिजॉर्ट के सीसीटीवी फुटेज का डीवीआर पुलिस ने कब्जे में लिया है।

आरोपियों के विरुद्ध अनैतिक देह व्यापार व एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मनुष्य की आंतरिक क्षमताओं की खोज एवं विकास में सहायक है यात्राएंः डॉ. बिष्ट

कार्यालय संवाददाता

नरेंद्र नगर । यात्रा मानव को उसकी आंतरिक क्षमता क्षमताओं से रूबरू होने उनके विकास में सहायक हैं। यह वक्तव्य श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ हेमंत बिष्ट द्वारा राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर में पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित गोष्ठी कृत्रिम रॉक क्लाईंबिंग वॉल प्रशिक्षण एवं ट्रैकिंग कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दिया गया। डॉ0 बिष्ट ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन, आदिगुरु शंकराचार्य, कोलंबस, वास्कोडिगामा आदि के उद्धरण देकर कहा की महान व्यक्तित्व के निर्माण में यात्राएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार उभान ने कहा उत्तराखंड में पर्यटन का भविष्य स्वर्णिम है तथा क्षेत्र में युवाओं हेतु रोजगार की असीम संभावनाएं हैं । डॉ उभान ने कहा कि पर्यटन के सतत एवं दीर्घकालिक विकास हेतु पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। जी 20 के तहत पर्यावरण संरक्षण के विविध आयाम हेतु पर्यटन विभाग द्वारा ट्रैकिंग कार्यक्रम उक्त व्यक्तव्य को परिलक्षित करता है। महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति की संयोजिका डॉ चंदा नौटियाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि साहसिक पर्यटन चरित्र निर्माण व कौशल विकास के साथ ही प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में

सहायक है।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉ विक्रम बर्तवाल ने अपने संबोधन में नरेंद्र नगर की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहर एवं ऋषिकेश से निकटता के कारण नरेंद्रनगर विरासत पर्यटन हेतु सर्वथा उपयुक्त स्थान रखता है। विरासत पर्यटन एवम हेरिटेज वॉक के विकसित स्वरूप की सार्थकता पर डॉ बर्तवाल ने जोर दिया। कार्यक्रम शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए पर्यटन विभाग के डॉ संजय महर ने शैक्षिक पर्यटन की विभिन्न विधाओं एवं पर्यटन के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस गोष्ठी में साहसिक पर्यटन एवं रॉक क्लाईंबिंग के प्रशिक्षित विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित श्री अनुराग रावत व अर्जुन पुंडीर द्वारा भी ट्रैकिंग, पथारोहण एवम रॉक क्लाईंबिंग ट्रेनिंग पर संबोधीत किया। गोष्टी का समापन डॉ विजय प्रकाश भट्ट द्वारा धन्यवाद के साथ हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय के छात्र छात्राओं प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने रॉक क्लाईंबिंग प्रशिक्षकों के सानिध्य में रॉक क्लाईंबिंग वॉल पर आरोहण किया।

ज्ञातव्य है कि महाविद्यालय द्वारा 20 मीटर ऊंची एवं 5 मीटर चौड़ी रॉक क्लाईंबिंग वॉल का निर्माण महाविद्यालय परिसर में किया गया है। रॉक क्लाईंबिंग प्रशिक्षण के पश्चात पर्यटन विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा कुंजापुरी परिभ्रमण एवं आरोहण कर कुंजापुरी के ऐतिहासिक महत्व पर विषय विशेषज्ञों विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में ज्ञान हासिल किया। कुंजापुरी ट्रैकिंग कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ ही शिशुपाल सिंह डॉ संजय कुमार, डॉ0 शैलजा, डॉ0 चंदा, डॉ हिमांशु, डॉ देवेंद्र, डॉ सृचना,अजय पुंडीर, गणेश इत्यादि उपस्थित थे

रिजार्ट्स में हो रहे गलत कामों पर रोक लगाने में सरकार नाकामः कुकरेती

नगर संवाददाता

देहरादून। अंकिता भंडारी की हत्या के बाद अभी भी रिजॉर्टस में हो रहे जिस्मफरोशी के धंधे पर रोक लगाने में उत्तराखंड सरकार नाकाम है।

यह बात मीडिया को जारी एक बयान के माध्यम से उत्तराखण्ड आंदोलनकारी मंच के अध्यक्ष प्रदीप कुकरेती व संयुक्त नागरिक सगठन के सचिव सुशील त्यागी द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि सहसपुर क्षेत्र के संजीवनी रिजोर्ट में पकड़ी गई 14 लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में पकड़े जाने की घटना शर्मनाक है। इस कुसंस्कृति पर यदि राज्य में पूरी तरह रोक नहीं लगाई गई तो देवभूमि की गरिमा भविष्य में थाईलैंड की तरह मिट्टी में मिल जाएगी। हम उत्तराखंड सरकार से मांग करते हैं कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अभियान पर पलीता लगाने वाले रिजॉर्ट्स माफियाओं पर कठोर कार्यवाही तत्काल की जाए।

11 से 13 अप्रैल को होगा मिलेट्स सम्मेलनः जोशी

संवाददाता

देहरादून। राज्य कृषि विपणन बोर्डो के राष्ट्रीय परिषद के चेयरमैन एवं कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि 11 से 13 अप्रैल को मसूरी में मिलेट्स सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न राज्यों के 50 से 60 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

आज यहां राज्य कृषि विपणन बोर्डो के राष्ट्रीय परिषद के चेयरमैन एवं प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व के चलते संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में घोषित किया है। जिसके दृष्टिगत उत्तराखंड में पहली बार 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक मसूरी में कौसाम्ब और उत्तराखंड राज्य द्वारा मिलेट्स पर आधारित एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री जोशी ने कहा इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल सहित विभिन्न राज्य कृषि विपणन बोर्डो के अध्यक्ष भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा भारत के विभिन्न राज्य कृषि विपणन बोर्डो अर्थात असम, गोवा, तेलंगाना, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर आदि से कुल 50-60 प्रतिनिधि भाग लेंगे। मंत्री ने कहा इस सम्मेलन में मिलेट पर काम करने के लिए एक मैनेज्ड वे विकसित करने के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन को भारतीय मिलेट अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, भारतीय चिकित्सा संयंत्र विपणन संघ, कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों सहित एडी पोर्ट्स ग्रुप के वरिष्ठ वैज्ञानिक सम्बोधित करेंगे। मंत्री गणेश जोशी ने कहा उत्तराखंड में पहली बार "मिलेट की सम्भावनाओं और अवसर पर आधारित राष्ट्रीय स्तर की गोष्ठी करवाने का मुझे सौभाग्य मिला है।

प्रदेश विभिन्न सम्मेलनों और सेमिनारों का आयोजन के माध्यम से मिलेट्स का प्रचार-प्रसार सहित कृषकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मंत्री जोशी ने कहा उत्तराखण्ड में भी मिलेट उपज की खरीद स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी की जा रही है। इसे एसएचजी ग्रुपों से जुड़ी हुई महिलाओं को भी लाभ दिया जाएगा।

एक नजर

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह का करीबी पपलप्रीत सिंह गिरफ्तार

नई दिल्ली। अमृतपाल सिंह के फरारी मामले में पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अमृतपाल सिंह के बाद से फरार चल रहे उसके करीबी पपलप्रीत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी दिल्ली से हुई है। पपलप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के बाद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के पकड़े जाने की उम्मीद बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक, पंजाब पुलिस की स्पेशल सेल ने पपलप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है। इस बारे में दिल्ली पुलिस से कोई संपर्क नहीं साधा गया, ना ही कोई मदद ली गई। पपलप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के बाद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के पकड़े जाने की उम्मीद बढ़ गई है। फरारी के दौरान पपलप्रीत सिंह शुरू से अमृतपाल के साथ रहा। पुलिस को जानकारी मिली कि पपलप्रीत ने अपनी कार में अमृतपाल को फरार होने में मदद की। 18 मार्च को पंजाब पुलिस की कार्रवाई से डरकर भाग रहे अमृतपाल सिंह को लेकर स्पेशल ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ऐसे में कुछ दिन पहले अमृतपाल की एक शख्स के साथ फोटो सामने आई थी। आखिरी बार दोनों को होशियारपुर में साथ देखा गया था। यहां पुलिस से बचने के चक्कर में दोनों में अलग हो गए थे। अब पुलिस पपलप्रीत से पूछताछ कर रही है ताकि अमृतपाल के बारे में पता लगाया जा सके और उसे भी गिरफ्तार किया जा सके।

बुजुर्ग दंपती की गला रेतकर हत्या

नई दिल्ली। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में सीनियर सिटीजन दंपति की हत्या कर दी गई। मृतक दंपत्ति गोकुलपुरी इलाके के जी ब्लॉक के गली नंबर 13/6 में स्थित मकान नंबर 245 में पिछले करीब 38 सालों से रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक, मृतक बुजुर्ग का नाम राधे श्याम वर्मा है, जो करीब 72 साल के हैं। जबकि उनकी मृत पत्नी का नाम वीणा देवी है जो करीब 78 साल की थी। हत्यारों ने बुजुर्ग राधे श्याम वर्मा का गला काटकर और उनकी पत्नी वीणा देवी का गला के साथ-साथ सर के हिस्सों में तेज हथियार से वार कर इस डबल मर्डर को अंजाम दिया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में लूटपाट की वजह से हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस को सोमवार सुबह इस हत्याकांड की जानकारी मिली थी। बताया जा रहा है कि मरने वाले बुजुर्ग शख्स सरकारी स्कूल से बतौर वाइस प्रिंसिपल रिटायर हुए थे, जो अपनी पत्नी के साथ रहते थे। मृतकों के परिजनों से हुई पूछताछ के मुताबिक, घर के अंदर से करीब साढ़े चार लाख रुपये की नगदी सहित काफी ज्वेलरी गायब है। दरअसल, पिछले कुछ समय पहले ही मृतक बुजुर्ग नें अपने अपने घर का एक हिस्सा बेचने के लिए एक शख्स से एडवांस के तौर पर करीब साढ़े पांच लाख रुपये एडवांस लिए थे, जो उनके घर से गायब मिले हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने आपराधिक अवमानना मामले में बिना शर्त मांगी माफी

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट के सामने पेश हुए और अदालत के एक न्यायाधीश के खिलाफ अपनी कथित टिप्पणी पर आपराधिक अवमानना घ्घ्मामले के संबंध में बिना शर्त माफी मांगी। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और जस्टिस विकास महाजन की पीठ ने अग्निहोत्री की माफी को स्वीकार करते हुए उन्हें अवमानना के आरोप से मुक्त कर दिया और उन्हें भविष्य में सावधान रहने की चेतावनी दी। पीठ ने कहा, विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि न्यायपालिका की संस्था के लिए उनके मन में अत्यधिक सम्मान है और उनका इस अदालत की महिमा को जानबूझकर ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। इसके मद्देनजर उन्हें जारी कारण बताओ नोटिस को वापस लिया जाता है। विवेक अग्निहोत्री को कथित अवमाननाकर्ता के तौर पर आरोपमुक्त किया जाता है। साल 2018 में फिल्मकार ने ट्वीट कर न्यायमूर्ति एस मुरलीधर पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया था, क्योंकि उन्होंने भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले में कार्यकर्ता गौतम नवलखा को नजरबंदी से मुक्त करने का आदेश दिया था। वह तब दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश थे और अब उड़ीसा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं।

जमीन के नाम पर कर्नल से की नौ लाख की धोखाधडी

देहरादून (सं)। कर्नल से जमीन के नाम पर नौ लाख की धोखाधडी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौलागढ निवासी कर्नल मनोज गुरूंग ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसने कौलागढ निवासी दीपांशु नौटियाल ने उसको एक जमीन दिखायी जिसके बदले में उसने उसको नौ लाख रूपये दिये थे। लेकिन उसने ना तो जमीन की रजिस्ट्री करायी और ना ही उसके पैसे वापस किये। एसएसपी के आदेश पर कैण्ट कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विशाखापट्टनम से 90 किलोग्राम गांजा लेकर आ रहे दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने विशाखापट्टनम से 90 किलोग्राम गांजा लेकर आ रहे दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि जनपद को नशा मुक्त करने के लिए विभिन्न थाना क्षेत्रों में टीमों का गठन किया गया है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कमलेश उपाध्याय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ऋषिकेश के द्वारा आवश्यक दिशा निर्देशों के साथ थाना एवं चौकी क्षेत्र मे चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

आज गठित टीम के द्वारा सूचना पर चेकिंग के दौरान श्यामपुर फाटक पर एक टाटा सूमो गाड़ी को रोककर चेक किया गया तो गाड़ी से कुल 90 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके से गाड़ी में सवार दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रोहित पुत्र नरेश निवासी केशवपुरी बस्ती राजीव नगर थाना डोईवाला देहरादून, मनजीत पुत्र लल्लन राजभर निवासी प्रेमनग बाजार बताया। पूछताछ करने पर दोनों के द्वारा बताया गया वह लोग दिनेश यादव, जो कि पीर बाबा की मजार केशवपुरी बस्ती डोईवाला में रहता है, के लिए काम करते हैं, उसके द्वारा उनकों यह गाड़ी दी गई थी, जिसको लेकर वह विशाखापट्टनम आंध्र प्रदेश गए थे। वहीं पर दिनेश के द्वारा बताए गए उसकी जान पहचान के किसी व्यक्ति द्वारा उन्हें यह सारा गांजा दिया गया था, जिसका नाम पता वह लोग नहीं जानते हैं। उक्त गांजे को वह आंधप्रदेश से लेकर आ रहे है जिसे उनकों ऋषिकेश, मुनिकीरेती एवं लक्ष्मण झूला क्षेत्र में दिनेश यादव द्वारा बताये गये अलग-अलग स्थानो पर सप्लाई करना था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने दिनेश की तलाश शुरू कर दी।

कांग्रेस में टूट-फूट की चर्चा

●प्रीतम बोले कांग्रेसी हूं कांग्रेसी रहूंगा
●भट्ट बोले जल्द मिलेगा कुछ बड़ा देखने को

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर टूट-फूट की खबरें सुर्खियों में हैं। राजनीतिक हलकों में इन दिनों चर्चा है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह और पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा सकते हैं। लेकिन प्रीतम सिंह और तिलक राज दोनों ही नेताओं का कहना है कि वह कांग्रेसी हैं और कांग्रेसी ही रहेंगे।

दरअसल इन खबरों को हवा भाजपा खेमे से ही दी जा रही है। बीते कुछ दिनों से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा लगातार यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस के कुछ नेता भाजपा के संपर्क में हैं तथा आने वाले दिनों में कुछ बड़ा देखने को मिल सकता है। भले ही महेंद्र भट्ट ने कभी यह न बताया हो कि वह नेता कौन-कौन है? लेकिन बीते कुछ समय से कांग्रेस के अंदर जारी अंतर कलह की खबरें और प्रीतम सिंह तथा तिलकराज बेहड़ द्वारा प्रदेश प्रभारी और पार्टी की नीतियों पर जो सार्वजनिक मंचों से सवाल उठाए जा रहे हैं उन्हें लेकर प्रीतम और बेहड़ के नाम चर्चाओं के केंद्र में आ गए हैं।

अभी बीते दिनों जहां तिलकराज बेहड़ ने गढ़वाल की उपेक्षा किए जाने का सवाल उठाते हुए कहा था कि पार्टी हाईकमान को इस पर विचार करने की जरूरत है। दरअसल इस समय प्रदेश अध्यक्ष, नेता विपक्ष और उप नेता विपक्ष के पदों पर कुमाऊं के लोग आसीन हैं जिसे लेकर समय-समय पर सवाल उठाए जाते रहे हैं। यही नहीं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह तो अध्यक्ष पद से हटाने और फिर नेता विपक्ष न बनाए जाने को लेकर लंबे समय से नाराज चले आ रहे हैं। अभी बीते दिनों उनके द्वारा प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव की राजनीतिक अनुभव हीनता का मुद्दा उठाते हुए कहा गया था कि केंद्रीय नेतृत्व यह जिम्मेवारी किसी अनुभवी और सुलझे हुए नेता को देनी चाहिए। पार्टी में उनके इस बयान पर काफी हाय हंगामा भी हुआ था। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता का मुद्दा बता कर उनके खिलाफ कार्यवाही की बात भी करते दिखे थे।

इस बाबत जब प्रीतम सिंह से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह कांग्रेसी हैं और कांग्रेसी रहेंगे। सोनिया गांधी व राहुल गांधी तथा कांग्रेस के प्रति उनकी अटूट आस्था है लेकिन अगर पार्टी में कुछ गलत होगा तो वह उसे गलत जरूर कहेंगे। उधर महेंद्र भट्ट का कहना है कि किसी पार्टी के असंतुष्ट नेता अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में आते हैं तो उनका स्वागत है।

आईपीएल में सट्टा लगा रहे छह लोग गिरफ्तार

❑नौ मोबाइल व 25 हजार 900 रुपये बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने आईपीएल में सट्टा लगा रहे नौ लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नौ मोबाइल व 25 हजार 9 सौ रूपये बरामद लिया। बैंक खातों में पडे लाखों रूप फ्रिज करा दिये।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि थानाध्यक्ष रायपुर कुंदन राम को सूचना प्राप्त हुयी की लक्ष्मी देवी स्कूल से पहले रोड़ के किनारे एक घर के बरामदे में कुछ लोग खड़े होकर आईपीएल मैच में ऑनलाईन सट्टा लगा रहे है। सूचना पर थानाध्यक्ष रायपुर द्वारा पुलिस टीम गठित कर लक्ष्मी देवी स्कूल से पहले रोड़ के किनारे पहुंचे तो एक घर के बरामदे में हल्की लाईट की रोशनी में 06 लड़के खडे थे, जो एक दूसरे से 500 व 1000 रुपये ऑनलाइन लगाने की बाते कर रहे थे, जिस पर पुलिस टीम द्वारा उक्त 06 लडकों को मौके पर पकड लिया। जिनके कब्जे से आनलाईन सट्टा लगाने में इस्तेमाल किये जा रहे कुल 09 मोबाइल फोन व 25900 रूपये नगद बरामद किये गये व आरोपियों के पांच खातों में सट्टे के कुल सात लाख पैंसट हजार रूपये फ्रीज कराये गये।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।